राष्ट्रीय सहारा
दि०: 13-02-2020

आईएसओ-टीएस से डीरेका सम्मानित

वाराणसी (एसएनबी)। डीजल रेल इंजन कारखाना को यूरोपियन स्टैंडर्ड की महत्वपूर्ण संस्था यूनीफ से इंटरनेशनल रेलवे इंडस्ट्री स्टैंडर्ड (आईआरआईएस) का प्रमाण पत्र प्राप्त हुआ है।

यह प्रमाण-पत्र अंतरराष्ट्रीय मानक संगठन (आईएंसओ) का नवीनतम स्टैंडर्ड ISO/TS 22163:2017 है। डीरेका भारत की रेल इंजन बनाने वाली महली उत्पादन इकाई है, जिसे यह प्रमाण-पत्र प्राप्त हुआ है। इस प्रमाण-पत्र के प्राप्त हो जाने से डीरेका के लिए अंतरराष्ट्रीय बाजार मे गुणतायुक्त डीजल के अलावा विद्युत इंजनों की मांग बढ़ जायेगी। इस प्रमाण-पत्र के मापदंडों पर खरा उतरने के लिए दस मानकों पर खरा उतरने की जिम्मेवारी होती है, जिसे डीरेका ने रिकॉर्ड समय में पूरा करने में सफलता पाई है। रेलवे की गुणवत्ता को निखारने के लिए इसकी निगरानी के लिए यूनीफ ने नीदरलैंड की दिल्ली स्थित डीएनवी सर्टिफिकेशन को नियुक्त किया जिसने डीरेका में लगातार 27 दिनों तक ऑडिट करने के बाद 75 फीसदी अंकों के साथ डीरेका को इस उपलब्धि के योग्य पाया और यूनीफ को इसके लिये संस्तुति की। विदित हो कि यह प्रमाण-पत्र रेल इंजनों के रोलिंग स्टॉक के लिए अभिकंल्प, विकास और विनिर्माण गतिविधियों के लिए मिलता है।

Scanned by CamScanner

हिन्दुस्तान
दि०: 13.02.2020

आईआरआईएस प्रमाण पत्र डीरेका को मिला

वाराणसी। डीरेका को यूरोपियन स्टैंडर्ड की महत्वपूर्ण संस्था यूएनआईएफआई से इंटरनेशनल रेलवे इंडस्ट्रीज स्टैंडर्ड (आईआरआईएस) का प्रमाण पत्र प्राप्त हुआ है। यह प्रमाण-पत्र अंतरराष्ट्रीय मानक संगठन (आईएसओ) का नवीनतम स्टैंडर्ड है क डीरेका भारत की रेल इंजन बनाने वाली पहली उत्पादन इकाई है, जिसे यह प्रमाण-पत्र प्राप्त हुआ है कइस प्रमाण-पत्र के प्राप्त हो जाने से डीरेका के लिए अंतरराष्ट्रीय बाजार में गुणतायुक्त डीजल के अलावा विद्युत इंजनों की मांग बढ़ जाएगी।

आज
दि०: 13.02.2020

डीरेका को मिला आईआरआईएस प्रमाण पत्र

डीजल रेल इंजन कारखाना को युरोपियन स्टैंडर्ड की महत्वपूर्ण संस्था यूनिफे से इंटरनेशनल रेलवे इंडस्ट्री स्टैंडर्ड (आईआरआईएस) का प्रमाण पत्र प्राप्त हुआ है। यह प्रमाण पत्र अंतरराष्ट्रीय मानक संघटन (आईएसओ) का नवीनतम स्टैंडर्ड आईएसओ/टीएस २२१६३:२०१७ है। डीरेका भारत की रेल इंजन बनाने वाली पहली उत्पादन इकाई है, जिसे यह प्रमाण पत्र प्राप्त हुआ है। इस प्रमाण पत्र के प्राप्त हो जाने से डीरेका के लिए अंतरराष्ट्रीय बाजार में गुणवत्तायुक्त डीजल के अलावा विद्युत इंजनों की मांग बढ़ जायेगी। इस प्रमाण पत्र के मापदंडो पर खरा उतरने के लिए दस मानकों पर खरा उतरने की जिम्मेवारी होती है जिसे डीरेका ने रिकार्ड समय में पूरा करने में सफलता पायी है। रेलवे की गुणवत्ता को निखारने के लिए इसकी निगरानी के लिए यूनिफे ने नीदरलैंड की दिल्ली स्थित डीएनवी सर्टिफिकेशन को नियुक्त किया जिसने डीरेका में लगातार सत्ताईस दिनों तक आडिट करने के बाद ७५ प्रतिशत अंकों के साथ डीरेका को इस उपलब्धि के योग्य पाया और यूनिफे को इसके लिये संस्तुति की। विदित हो कि यह प्रमाण पत्र रेल इंजनों के रोलिंग स्टाक होतु अभिकल्प, विकास और विनिर्माण गतिविधियों के लिए प्राप्त होता है।

दैनिक जागरण
दि०: 13.02.2020

डीरेका को मिला आइआरआइएस प्रमाणपत्र

जासं, वाराणसी : डीजल रेल इंजन कारखाना की धाक विश्व बाजार में बढ़ी है। इसको यूरोपियन स्टैंडर्ड की महत्वपूर्ण संस्था यूनिफ ने इंटरनेशनल रेलवे इंडस्ट्री स्टैंडर्ड (आइआरआइएस) का प्रमाणपत्र दिया है। यह प्रमाणपत्र अंतरराष्ट्रीय मानक संगठन (आइएसओ) का नवीनतम स्टैंडर्ड आइएसओ व टीएस है। इस कसौटी पर खरा उतरने वाला डीरेका भारत में रेल इंजन बनाने वाली पहली संस्था है। ऐसे में डीरेका को अंतरराष्ट्रीय बाजार में अलग पहचान मिलेगी। यहां तैयार गुणतायुक्त डीजल व विद्युत इंजनों की मांग बढ़ जाएगी। इस प्रमाणपत्र के पैमाने पर खरा उतरने के लिए 10 मानक थे जिसे डीरेका ने रिकॉर्ड समय में पूरा किया। डीरेका के उत्पादों की गुणवत्ता परखने के लिए यूनिफ ने नीदरलैंड के विशेषज्ञों को नामित किया था।

डीरेका के बने रेल इंजनों को विश्व बाजार में बेचने के लिए यह प्रमाणपत्र जरूरी था। अब विश्व बाजार डीरेका की अलग पहचान बनेगी। - विपिन मेहरोत्रा, मुख्य जनसंपर्क अधिकारी

The Times of India
Dt. 13.02.2020

DLW bags int'l rly industry standard certification

TIMES NEWS NETWORK

Varanasi: Diesel Locomotive Works (DLW), a manufacturing unit of Indian Railways in Varanasi, received the International Railway Industry Standard (IRIS) certification from UNIFE, an association of Europes rail supply companies active in the design, manufacture, maintenance and refurbishment of rail transport systems, subsystems and related equipment.

IRIS is an internationally recognised management system standard specific to the railway industry. According to DLW CPRO Nitin Mehrotra, DLW has become the first locomotive manufacturing unit in the country to get such a certification based on ISO/TS 22163:2017 for rolling stock design, development and manufacture of locomotives. This certification would help in getting increased demand of locomotives in international market.

The DLW successfully qualified the prescribed standards in given time. The UNIFE had appointed DNV Certification of the Netherlands, which recommended for this certificate for DLW after a 27-day audit.

आईनेक्स्ट
दि: 13.02.2020

डीएलडब्ल्यू की बढ़ी क्रेडिबिलिटी

डीएलडब्ल्यू को यूरोपियन स्टैंडर्ड की महत्वपूर्ण संस्था यूनिफ से इंटरनेशनल रेलवे इंडस्ट्री स्टैंडर्ड (आईआरआईएस) का सर्टिफिकेट मिला. डीरेका भारत की रेल इंजन बनाने वाली पहली उत्पादन इकाई है, जिसे यह प्रमाण-पत्र प्राप्त हुआ है. इस प्रमाण-पत्र के मिलने से डीएलडब्ल्यू के लिए इंटरनेशनल मार्केट में क्वालिटी वाले डीजल के अलावा बिजली इजनो की मांग बढ़ जायेगी. इस प्रमाण-पत्र के मापदंडो पर खरा उतरने के लिए दस मानको पर खरा उतरने की जिम्मेदारी होती है, जिसे डीरेका ने रिकॉर्ड समय मे पूरा करने मे सफलता पाई है.

Scanned by CamScanner